प्रेरणा बोध

(मिशन प्रेरणा के अंतर्गत प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित अभ्यास कार्य संग्रह)

कक्षा - 2 विषय - भाषा

प्रेरणा लक्ष्य– अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

विशेष:- प्रस्तुत संकलन में प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य को प्रकरणवार 30 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले कार्य दिवस (सह दिवस) में आकलन करते हुए सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए। इस प्रकार से 60 कार्य दिवस में अधिकांश छात्र/छात्रा प्रेरणा लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो छात्र/छात्रा 60 दिवस के उपरान्त भी प्रेरणा लक्ष्य हासिल न कर पाएँ हों उन्हें पुनः सम्मिलित करते हुए इसी प्रकार से शिक्षण प्रक्रिया दोहराई जाए जिससे कि मार्च 2022 के पूर्व ही प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बना सकें।

'प्रेरणा बोध' से प्रेरणा लक्ष्य का बोध कराएँ।
आओ उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाएँ।

निर्माण व संकलन - टीम मिशन शिक्षण संवाद सीतापुर(उ.प्र.)

अपनी बात

एक ओर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी कहते हैं– "अवध सरिस प्रिय मोहि नहि सोऊ" वहीं दूसरी ओर श्री कृष्ण जी कहते हैं– " ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाही" इतना ही नहीं विद्वानों ने यह भी कहा है–" जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" अर्थात् माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है।

हम सभी ने माँ भारती की कोख से जन्म लिया है। इसलिए सभी देशवासियों के लिए भारत माता या राष्ट्र का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर यानी सर्वोपरि है। हमारे देश के बच्चे राष्ट्र के भावी कर्णधार हैं। भविष्य में वे इस गुरुतर दायित्व का निर्वहन अच्छे से कर सकें, इसके लिए आवश्यक है शिक्षा। हम जानते हैं कि सभी प्रकार की शिक्षा का आधार है प्राथमिक शिक्षा। कहते हैं जब किसी इमारत की नींव मजबूत होती है, तो वह इमारत स्थायी और टिकाऊ होती है। ठीक उसी प्रकार हमारी प्राथमिक शिक्षा की नींव को मजबूत करने हेतु उत्तर प्रदेश शासन व बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए कक्षानुसार(कक्षा 1 से 5 तक) भाषा और गणित हेतु प्रेरणा लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस कार्य को धरातल पर उतारने की मुख्य भूमिका हम शिक्षकों की ही है। उसी गुरुतर दायित्व का निर्वहन करते हुए मिशन शिक्षण संवाद, सीतापुर की 10 सदस्यीय शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम द्वारा प्रेरणा लक्ष्य को हासिल करने हेतु कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक भाषा एवं गणित का अभ्यास संग्रह 'प्रेरणा बोध' तैयार किया गया है। 'प्रेरणा बोध' में बच्चों के बालमन व जिज्ञासु प्रवृत्ति को प्रमुखता दी गई है। जिससे बच्चे बिना बोझिल हुए सहज भाव से सीखकर प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर सकें।

प्रस्तुत संकलन में प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य को 30 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले कार्य दिवस(सह दिवस) में आकलन करते हुए मुख्य दिवस के अभ्यास कार्य के आधार पर सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए जिससे कि विद्यार्थियों में प्रकरण की पूर्ण समझ विकसित हो जाए। इस प्रकार से 60 कार्य दिवस में अधिकांश विद्यार्थी प्रेरणा लक्ष्य हासिल कर लेंगे। यदि कुछ विद्यार्थी 60 दिवस के उपरान्त भी प्रेरणा लक्ष्य हासिल नहीं पाए हैं तो उन्हें पुनः सम्मिलित करते हुए इसी प्रकार से शिक्षण प्रक्रिया दोहराई जाए।

कक्षा 1 में नव प्रवेशित बच्चे होते हैं अतः उनके लिए प्रकरण को 45 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। इस प्रकार सह दिवस सहित 90 कार्य दिवस में प्रेरणा लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। यदि बच्चों में अगले सह दिवस में भी सम्बन्धित प्रकरण की समझ विकसित नहीं हो पाती है तो उसका अगला कार्य दिवस भी सह दिवस के रूप में लेकर पुनरावृत्ति कराई जा सकती है। वर्तमान परिवेश में कोविड-19 महामारी के कारण विपरीत स्थितियों में 'ग्राम शिक्षा सैनिक' या शिक्षा प्रहरी के माध्यम से विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में 'प्रेरणा बोध' के आधार पर शिक्षण कार्य सम्पादित करवाया जा सकता है तथा आसानी से प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

'प्रेरणा बोध' से प्रेरणा लक्ष्य का बोध कराएँ। आओ उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाएँ।।

आशा है कि प्रस्तुत संकलन सभी शिक्षकों व बच्चों के लिए प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने में उपयोगी सिद्ध होगा। अंत में प्रदेश व जनपद के मार्गदर्शक अधिकारीगण, हम सबके आदरणीय मिशन शिक्षण संवाद के संस्थापक विमल कुमार जी, सम्मानित शिक्षकगण, अभिभावकों, बच्चों व समाज के जन-जन का टीम की ओर से हार्दिक आभार।

आप सभी की प्रेरणा से ही टीम को यह ज्ञानरूपी पुष्पगुच्छ 'प्रेरणा बोध' प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

धन्यवाद!

ओमकार पाण्डेय
टीम सह-संयोजक
स०अ०, उ०प्रा०वि० किरतापुर
सकरन, सीतापुर (उ०प्र०)

नीलम कुमारी
टीम सह-संयोजक
प्र०अ०, प्रा०वि० मिश्रापुर
खैराबाद, सीतापुर (उ०प्र०)

अजय सिंह
टीम संयोजक
स०अ०, प्रा०वि० गजोधरपुर
सिधौली, सीतापुर (उ०प्र०)

अखिलेश तिवारी
जिलाधिकारी
जनपद-सीतापुर

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि जनपद-सीतापुर के कर्मठ शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम द्वारा संयुक्त प्रयास से बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने व प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने हेतु 'प्रेरणा बोध' (ई.बुक) का प्रकाशन किया जा रहा है।

कोरोना महामारी के इस दौर में टीम के सभी सदस्यों का यह प्रयास दर्शाता है कि शिक्षक घने अंधकार में भी प्रकाश फैलाने का सामर्थ्य रखता है। निश्चित रूप से टीम का यह भगीरथ प्रयास बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने व प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अति उपयोगी सिद्ध होगा।

पूरी टीम को हार्दिक साधुवाद व 'प्रेरणा बोध' (ई.बुक) के सफल प्रकाशन हेतु बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

अखिलेश तिवारी
जिलाधिकारी
जनपद-सीतापुर

अजीत कुमार

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

सीतापुर

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि मिशन शिक्षण संवाद टीम सीतापुर के 10 शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित ई-बुक 'प्रेरणा बोध' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे पूरी आशा है कि टीम का यह प्रयास 'प्रेरणा लक्ष्य' हासिल करने में मददगार साबित होगा।

'प्रेरणा बोध' के सफल प्रकाशन हेतु ढेर सारी शुभकामनाएँ!

अजीत कुमार
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सीतापुर

अजय विक्रम सिंह

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महमूदाबाद, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने की मुहिम चल रही है। इससे छात्र/ छात्राओं के शैक्षिक विकास, उन्नयन और आकलन में एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुझे यह जान कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि सीतापुर जनपद के 10 शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम ने सामूहिक प्रयास से 'प्रेरणा बोध' के नाम से एक उपयोगी संकलन तैयार किया है। इस संकलन के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापकों के अनुभव और सृजन क्षमता का विशेष योगदान सिद्ध हो सकेगा।

अतः इस कार्य हेतु टीम के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं की सराहना करते हुए ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन सफलता और उपयोगिता के लिए शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

अजय विक्रम सिंह
खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकास क्षेत्र- महमूदाबाद
जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

अशोक यादव

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महोली/परसेण्डी, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

मिशन शिक्षण संवाद के कार्यक्रमों एवं उसके फेसबुक पेज की सामग्री से मुझे काफी प्रेरणा मिलती है कि हम अपने विद्यालय को उच्चस्तरीय गुणवत्तापूर्ण संस्थानों में बदल सकेंगे और छात्रों का लर्निंग आउटकम अपेक्षित स्तर तक ला सकेंगे। शैक्षिक नवाचार में मिशन का योगदान सदैव प्रशंसनीय रहा है।

जनपद-सीतापुर के शिक्षक/ शिक्षिकाओं की टीम ने प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जो 'प्रेरणा बोध' अभ्यास कार्य का संकलन किया है, वह निश्चित रूप से 2022 तक प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा।

टीम के सफल प्रयास हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

अशोक यादव
खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकास क्षेत्र- महोली/परसेण्डी
जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

जितेन्द्र बहादुर चौधरी

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सकरन, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

कोरोना महामारी के इस दौर में जब ज्यादातर लोगों के मन मस्तिष्क में निराशा और अनिश्चितता की धुँधली छाया पड़ी हुई है तथा हमारे वे बच्चे जो किन्ही कारणवश ऑनलाइन शिक्षा को प्राप्त करने में असमर्थ हैं उन सबके लिए 'प्रेरणा बोध' काले घने बादलों के बीच उत्साह और आशा की किरण लेकर आयी है । जनपद सीतापुर के दस कर्मयोगियों ने एक साथ मिलकर पूरी आशा,उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जनपद के सभी स्कूलों को प्रेरक स्कूल बनाने की रणनीति बनाई है। इन दस कर्मयोगियों की टीम के सामूहिक प्रयास से विभाग द्वारा निर्धारित प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'प्रेरणा बोध' ई-बुक प्रकाशित की जा रही है।

मुझे पूरा विश्वास है कि 'प्रेरणा बोध' प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त करने के मार्ग को सहज और सरल बनायेगी। इस स्वप्रेरित प्रयास के लिए पूरी टीम को बहुत बहुत हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

जितेन्द्र बहादुर चौधरी
खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकास क्षेत्र- सकरन
जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

प्रमोद कुमार पटेल

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- खैराबाद, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

वर्तमान परिवेश में कोरोना महामारी के कारण विद्यालय बंद हैं। ऑनलाइन शिक्षण के प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं परन्तु चुनौतियाँ अत्यधिक हैं। ऐसे परिवेश में प्रेरणा लक्ष्य आधारित ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के संकलन का अनुकरणीय प्रयास टीम के शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा किया गया है।

मिशन शिक्षण संवाद की पूरी टीम व इस संकलन के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूँ।

मुझे पूरी आशा है कि यह संकलन प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अत्यंत उपयोगी व सार्थक सिद्ध होगा। ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

प्रमोद कुमार पटेल

खण्ड शिक्षा अधिकारी

खैराबाद

पुष्पेन्द्र जैन

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सिधौली, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि जनपद-सीतापुर के शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम ने प्रेरक व अनुकरणीय कार्य करते हुए स्वेच्छा से 'प्रेरणा लक्ष्य' पर आधारित अभ्यास कार्य संग्रह 'प्रेरणा बोध' का संकलन किया है।

मुझे पूरी आशा है कि यह संकलन प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अति उपयोगी सिद्ध होगा।

टीम के सफल प्रयास व ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

20.8.2020

पुष्पेन्द्र जैन
खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकास क्षेत्र- सिधौली
जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

विमल कुमार

मिशन शिक्षण संवाद

शुभकामना सन्देश

शिक्षक का एक गुण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव चिंतित रहना और उनके सीखने की प्रक्रिया को सरल, सहज, सुगम और रोचक बनाना है। शिक्षक के लिए यह निश्चित रूप से एक कठिन पथ की यात्रा है। जो शिक्षक हर बाधा को पार कर जाए और समस्याओं से विचलित न हो वही सफल शिक्षक है।

प्रसन्नता का विषय है कि टीम मिशन शिक्षण संवाद सीतापुर के शिक्षक भाई - बहनों द्वारा प्रेरणा लक्ष्य आधारित भाषा और गणित की प्राथमिक स्तर की पुस्तक (ई-बुक)'प्रेरणा बोध' का निर्माण किया गया है जिसका प्रकाशन हो रहा है। टीम का यह प्रयास मात्र अपने विद्यार्थियों के लिए ही नहीं अपितु सम्पूर्ण प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

मिशन शिक्षण संवाद परिवार टीम सीतापुर की इस पहल का सम्मान करता है और पुस्तक के प्रकाशन के लिए अनेक-अनेक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

विमल कुमार

मिशन शिक्षण संवाद

निर्माण एवं संकलन टीम

रंजना मिश्रा(स॰अ॰)उ॰प्रा॰वि॰ अहिबनपुर,महमूदाबाद,सीतापुर,विषय-भाषा,कक्षा-1

अंजू गुप्ता(प्र॰अ॰)प्रा॰वि॰ नरसोही,परसेण्डी,सीतापुर,विषय-गणित,कक्षा-1

मोनिका निगम(प्र॰प्र॰अ॰)उ॰प्रा॰वि॰शिवपुर देवरिया,महमूदाबाद,सीतापुर,विषय-भाषा,कक्षा-2

कुलदीप पाण्डेय(स॰अ॰)प्रा॰वि॰मूड़ाहूसा, महोली,सीतापुर,विषय-गणित,कक्षा-2

पल्लवी श्रीवास्तव(स॰अ॰)प्रा॰वि॰रजुआपुर, महमूदाबाद,सीतापुर,विषय-भाषा,कक्षा-3

नीलम कुमारी(प्र॰अ॰)प्रा॰वि॰ मिश्रापुर,खैराबाद,सीतापुर। विषय-गणित,कक्षा-3

ममता देवी(स॰अ॰)प्रा॰वि॰गोधौरी,महमूदाबाद, सीतापुर,विषय-भाषा,कक्षा-4

ओमकार पाण्डेय(स॰अ॰)उ॰प्रा॰ वि॰किरतापुर,सकरन,सीतापुर। विषय-गणित,कक्षा-4

शालिनी प्रजापति(स॰अ॰)कम्पोजिट स्कूल पीरपुर,परसेण्डी,सीतापुर। विषय-भाषा,कक्षा-5

अजय सिंह(स॰अ॰)प्रा॰वि॰गजोधरपुर,सिधौली, सीतापुर,विषय-गणित,कक्षा-5

प्रेरणा बोध

प्रकरण सूची

कक्षा- 2 विषय- भाषा मुख्य दिवस- 30

प्रेरणा लक्ष्य:- अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

मुख्य दिवस	प्रकरण	मुख्य दिवस	प्रकरण
1	स्वर	16	"ऐ(ै)" की मात्रा का ज्ञान
2	व्यंजन	17	"ऐ(ै)" की मात्रा का अभ्यास
3	मात्राओं का ज्ञान	18	"ओ(ो)" की मात्रा का ज्ञान
4	"आ(ा)" की मात्रा का ज्ञान	19	"ओ(ो)" की मात्रा का अभ्यास
5	"आ(ा)" की मात्रा का अभ्यास	20	"औ(ौ)" की मात्रा का ज्ञान
6	"इ(ि)" की मात्रा का ज्ञान	21	अं"(ं)" एवं अः"(ः)" की मात्रा का ज्ञान
7	"इ(ि)" की मात्रा का अभ्यास	22	"ऋ" की मात्रा एवं "र" के विभिन्न रूप
8	"ई(ी)" की मात्रा का ज्ञान	23	आकलन प्रश्नपत्र
9	"ई(ी)" की मात्रा का अभ्यास	24	गद्यांश /अनुच्छेद
10	"उ(ु)" की मात्रा का ज्ञान	25	गद्यांश /अनुच्छेद
11	"उ(ु)" की मात्रा का अभ्यास	26	गद्यांश /अनुच्छेद
12	"ऊ(ू)" की मात्रा का ज्ञान	27	गद्यांश /अनुच्छेद
13	"ऊ(ू)" की मात्रा का अभ्यास	28	गद्यांश /अनुच्छेद
14	"ए(े)" की मात्रा का ज्ञान	29	गद्यांश /अनुच्छेद
15	"ए(े)" की मात्रा का अभ्यास	30	आकलन प्रश्नपत्र

विशेष:- प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले दिवस (सह दिवस) में आकलन करते हुए सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए।

निर्माणकर्ता- मोनिका निगम, प्र०प्र०अ०, उ०प्रा०वि० शिवपुर देवरिया , विकास क्षेत्र- महमूदाबाद, जनपद -सीतापुर(उ०प्र०)

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - **स्वर** दिवस - 1

वर्णमाला(कविता)

आओ गाएँ गीत निराला,
साथ पढ़ेंगे हम वर्णमाला।
अ,आ,इ,ई का ध्यान धरें,
स्वरों की पहचान करें।

अब आई व्यंजनों की बारी,
लगा मात्रा एक-एक न्यारी।
क का कि की के कै कहना,
साथ-साथ लिखते भी रहना।
न ना नि नी से बन गई नानी,
वर्णों की चल पड़ी कहानी।

क में आ(ा)से बन गई कार,
आगे बढ़ो तुम अक्षरवार।
आओ कुछ और खेल रचाएँ,
साथ-साथ में पढ़ लिख जाएँ।
पूरा हो गया खेल निराला,
हमें याद हो गई वर्णमाला।

स्वर

अ,आ,इ, ई,उ,ऊ,ऋ,
ए, ऐ, ओ,औ, अं,अः

मूलरूप से स्वर वर्णों की संख्या 11 होती है। 'अं' और 'अः' की गणना स्वर के अंतर्गत नहीं होती है इन्हें 'अयोगवाह' कहा जाता है।

अभ्यास कार्य

1)'अ' वाले सभी वर्णों के गुब्बारों को नीले रंग तथा 'आ' वाले सभी वर्णों के गुब्बारों को लाल रंग से भरिए।

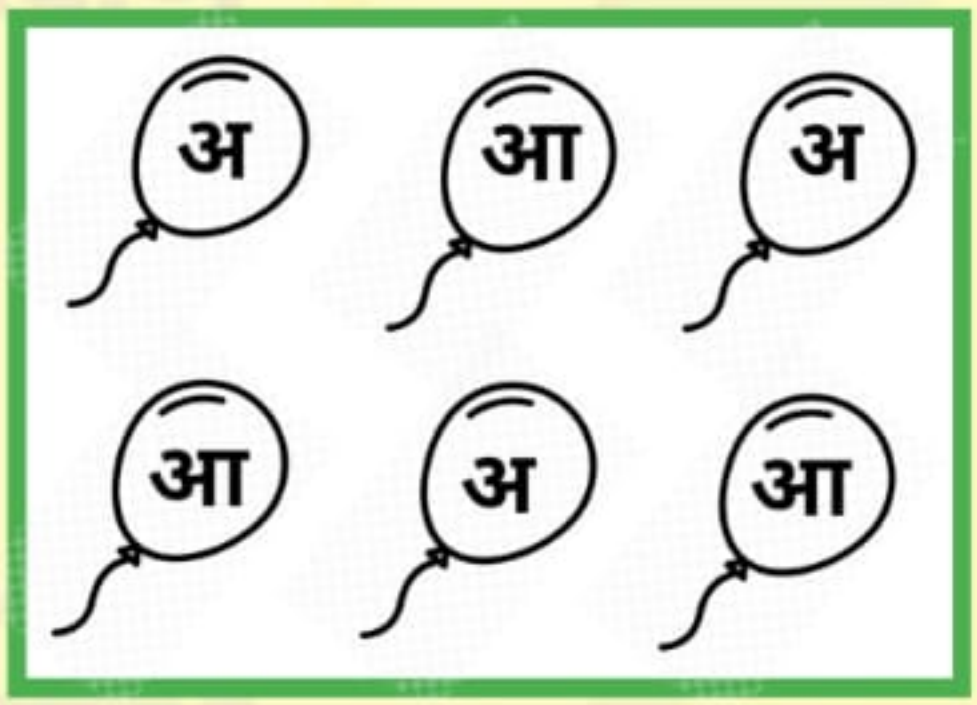

2)नीचे दिए गए स्थानों में 'अ' से 'अः' तक स्वर लिखिए।

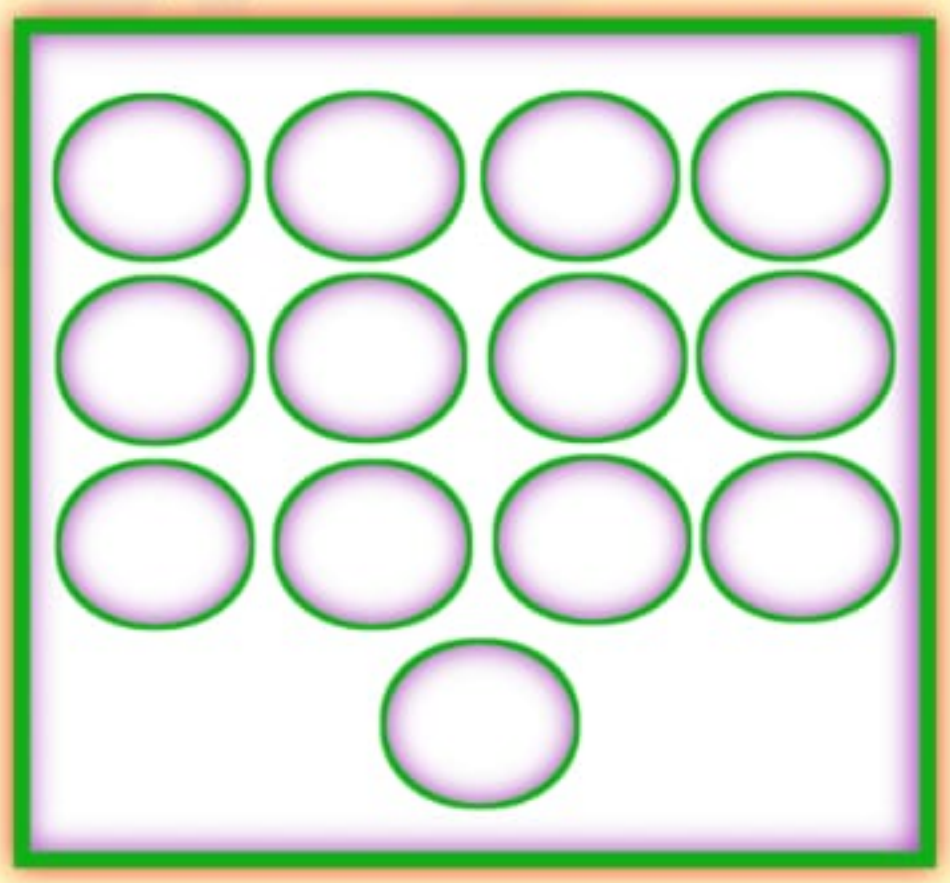

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - **व्यंजन** दिवस - 2

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़, ढ़)
त थ द ध न

क ख ग घ ड़ गाओ।
च छ ज झ ञ सुनाओ।।
ट ठ ड ढ ण सरल है ।
त थ द ध न से नल है ।।
प फ ब भ म को रट लो।
य र ल व को भी पढ लो।।
श ष स ह हस हस गाओ
क्ष त्र ज्ञ से ज्ञानी तुम बन जाओ।।

प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ

अभ्यास कार्य

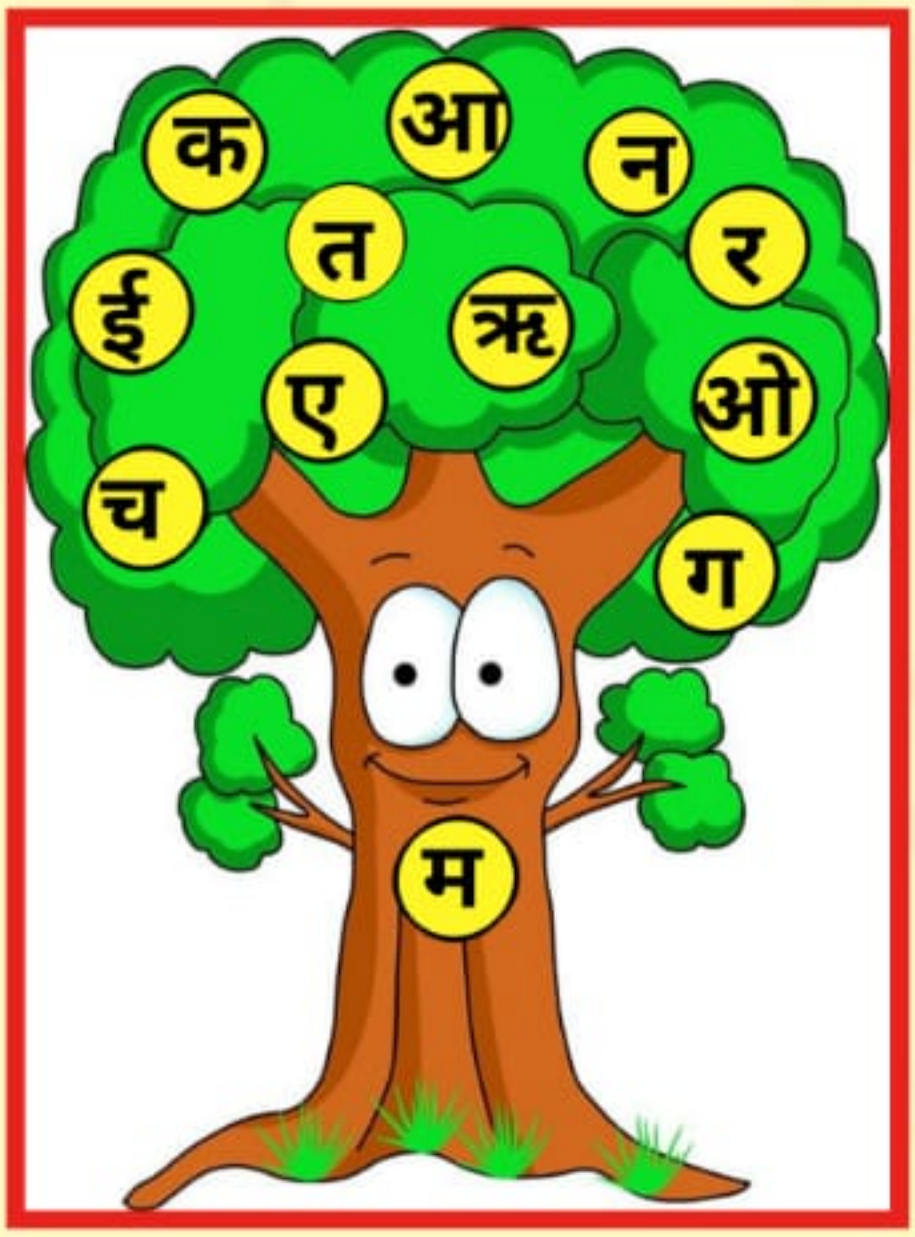

पेड़ से व्यंजन को पहचान कर लिखिए।

1)स्वर वर्णों को सही क्रम में लिखें।

ओ,ए,आ,ऋ,उ,ऐ, ई,ऊ,औ,अ:,अ,इ,अं

2)व्यंजन वर्णों को सही क्रम में लिखिए।

__ __ __ __ __

__ __ __ __ __

__ __ __ __ __

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा -2 प्रकरण - मात्राओं का ज्ञान दिवस -3

अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ अं अः

ा ि ी ु ू े ै ो ौ ं ः

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः

बिना मात्रा के शब्द

घ+र=घर

न+ल=नल

ब+स=बस

य+ज्ञ=यज्ञ

फ+ल=फल

व+न=वन

क+ल+श=कलश

ट+म+ट+म=टमटम

श+ह+द=शहद

द+म+क+ल=दमकल

क+म+ल=कमल

अ+द+र+क=अदरक

अभ्यास कार्य

चित्र को पहचान कर उसके शब्द से मिलान करिए।

सड़क
मटर
शहद
अदरक
खटमल

चित्र को पहचान कर सही शब्द पर गोला लगाइए।

	धन	हल	नल
	बस	दस	हल
	कप	घर	ठग
	कलश	कमल	कलम
	बरगद	अजगर	कटहल

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - आ"(ा)" की मात्रा का ज्ञान दिवस - 4

आओ मिलकर पढ़े

(ा)

ह+ा+थ=हाथ

क+ा+म=काम

ज+ा+न=जान

छ+ा+त+ा =छाता

न+ा+न+ा =नाना

र+ा+ज+ा =राजा

त+ब+ल+ा =तबला

च+र+ख+ा =चरखा

ब+ा+ द+ल =बादल

ट+म+ा+ट+र=टमाटर

आ ा

अभ्यास कार्य

'आ' की मात्रा वाले चित्रों में रंग भरो।

शब्द बनाओ।

1)स+ा + त = सात

2)ब+ा+ ज+ा= ------

3)त+ा + र+ा= ------

4)भ+ा +ल +ा= ------

5)अ + न+ा + र= ------

6)म + क +ा + न= ------

7)ज+ ह +ा + ज= ------

'आ' की मात्रा वाली दो वस्तुओं के चित्र बनाकर रंग भरिए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - 'आ(ा)'की मात्रा का अभ्यास दिवस - 5

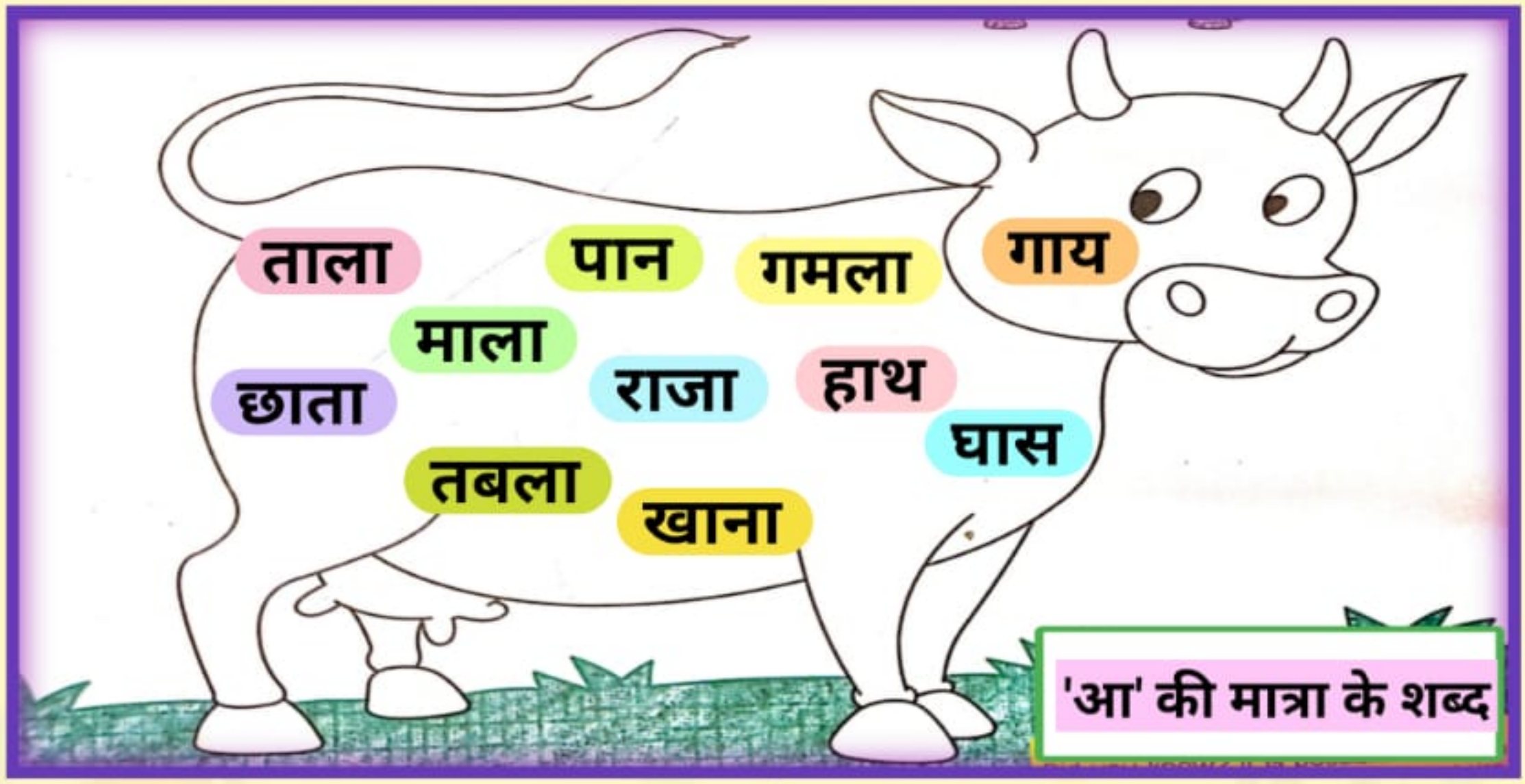

अभ्यास कार्य

अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

अशुद्ध शब्द	चित्र	शुद्ध शब्द
लामा		माला
गारज		------
मआ		------
लामग		------
लाता		------

नीचे दिए गए अक्षरों से 'आ' की मात्रा के शब्द बनाइए

आम ------- -------

------- -------

------- ------- -------

------- -------

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण -"इ(ि)"की मात्रा का ज्ञान दिवस -6

आओ पढ़े।

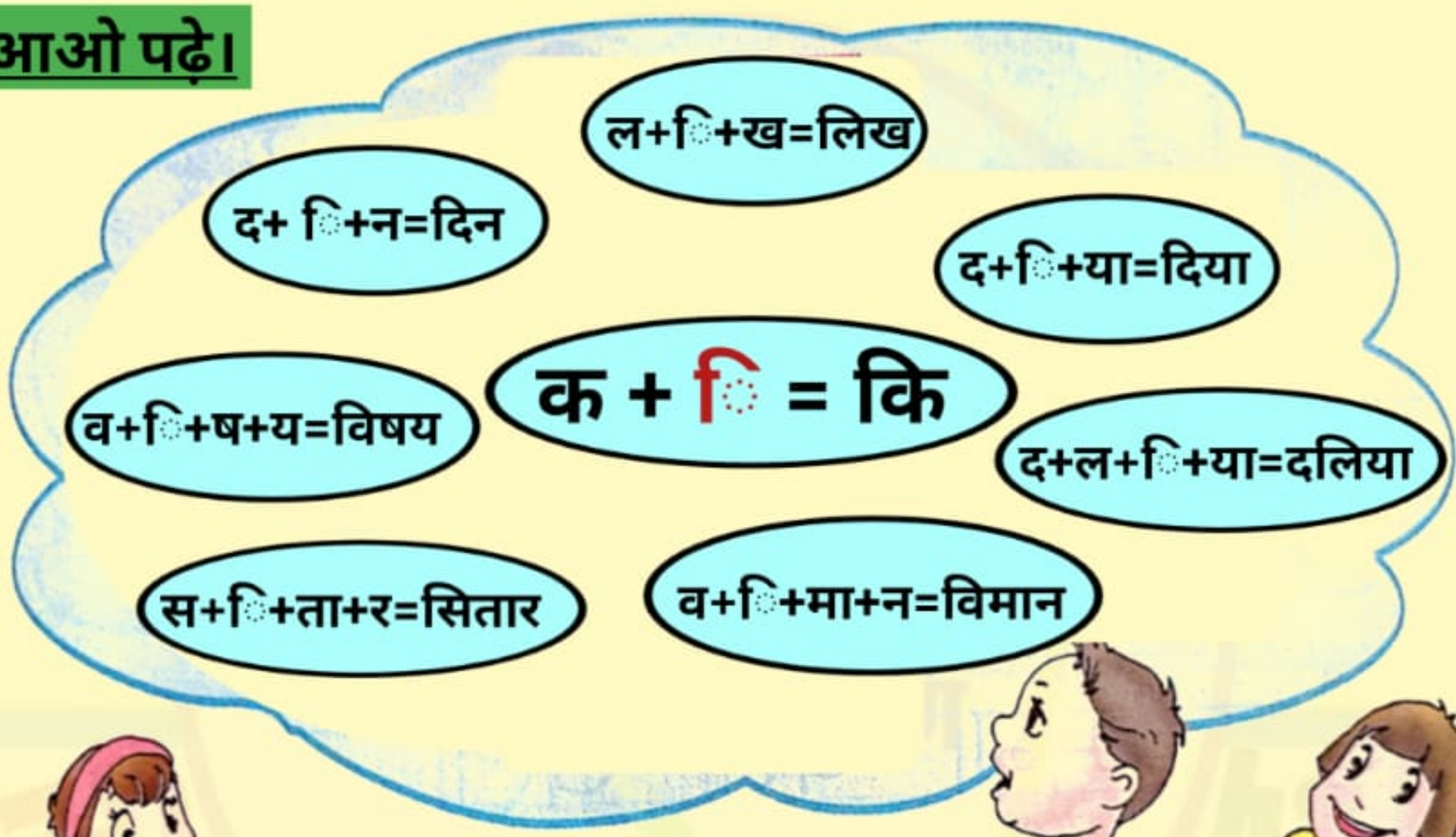

अभ्यास कार्य

क)शब्द बनाइए।

1) फ+ि +र=

2) प+ि +न=

3) त+क+ि+या=

4) बा+र+ि+श=

5) ग+ि+ला+स=

ख) 'इ' की मात्रा वाले कोई दो चित्र बनाइए।

1) 2)

विशेष:केवल 'इ' की मात्रा (ि) जब किसी व्यंजन वर्ण में लगती है तब वह वर्ण के पहले अर्थात् बाई ओर लगती है जैसे- च + ि = चि, इसी प्रकार कि, पि आदि। परन्तु जब चि, पि का वर्ण विच्छेद करेंगे तो च+इ(च+ ि= चि), प+इ(प+ ि =पि) होगा।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - इ '(ि)' की मात्रा का अभ्यास दिवस - 7

सुलेख

दिन	बिल	गणित

पुनरावृत्ति

शब्दों को पहचान कर सही मात्रा लगाइए।

तबल__ __हरन

__कताब

गमल__ त__र__

त__कया

अन__र __गलास

चित्रों को सही नाम से मिलाइए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - ई '(ी)' की मात्रा का ज्ञान दिवस - 8

चित्र को पहचानकर सही शब्द से मिलान कीजिये।

छतरी

तितली

मछली

लड़की

'ली' अक्षर जोड़कर नया शब्द बनाइए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - "ई" की मात्रा का अभ्यास दिवस - 9

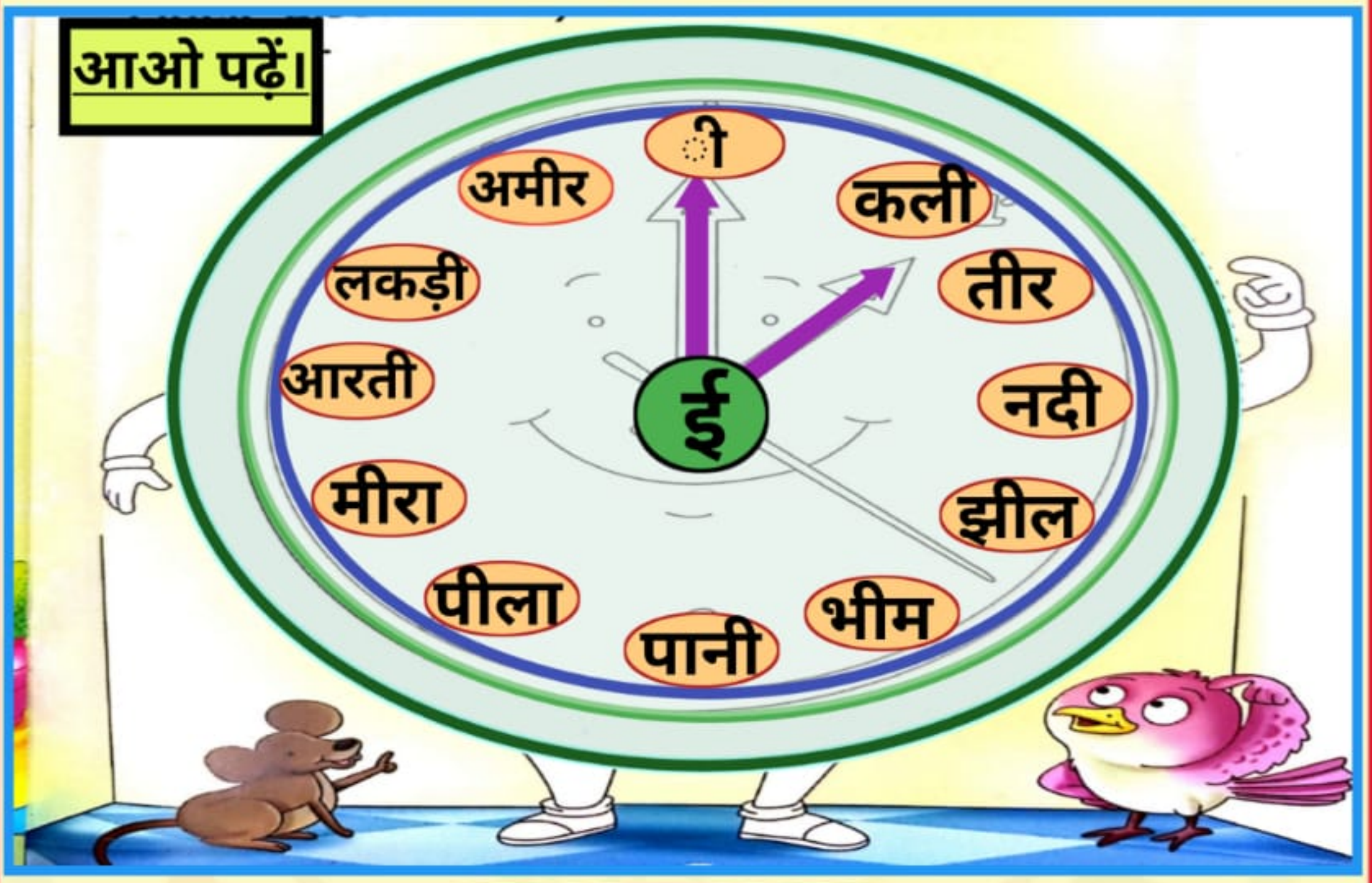

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर उसका नाम लिखिए।

1) _____

2) _____

3) _____

4) _____

"ई" की मात्रा के कोई पाँच शब्द अपनी पाठ्यपुस्तक कलरव के पाठ "टपका का डर" से खोजकर लिखिए।

1- 4-
2- 5-
3-

मछली का चित्र बनाइए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - 'उ' की मात्रा का ज्ञान दिवस - 10

'उ' से बच्चों होता है उल्लू,
गर्मी लगे तो जाओ कुल्लू।

उ '(ु)'

कछुआ

फुटबॉल

सुराही

गुलाब

कुर्सी

धनुष

बुलबुल

साबुन

बुढ़िया

क+ ु = कु	घ+ ु = घु	ज+ ु = जु	ठ+ ु = ठु	थ+ ु = थु	न+ ु = नु	ब+ ु = बु	य+ ु = यु
ख+ ु = खु	च+ ु = चु	झ+ ु = झु	ड+ ु = डु	द+ ु = दु	प+ ु = पु	भ+ ु = भु	र+ ु = रु
ग + ु = गु	छ+ ु = छु	ट+ ु = टु	त+ ु = तु	ध+ ु = धु	फ+ ु = फु	म+ ु = मु	ल+ ु = लु

अभ्यास कार्य

उ " ु " की मात्रा लगाकर शब्द बनाइये।

क) गड़िया _____

ख) जामन _____

ग) बटआ _____

घ) चनरी _____

ड·) दकान _____

च) साबन _____

बिंदु मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसका नाम लिखिए।

_____

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - "उ" की मात्रा का अभ्यास दिवस - 11

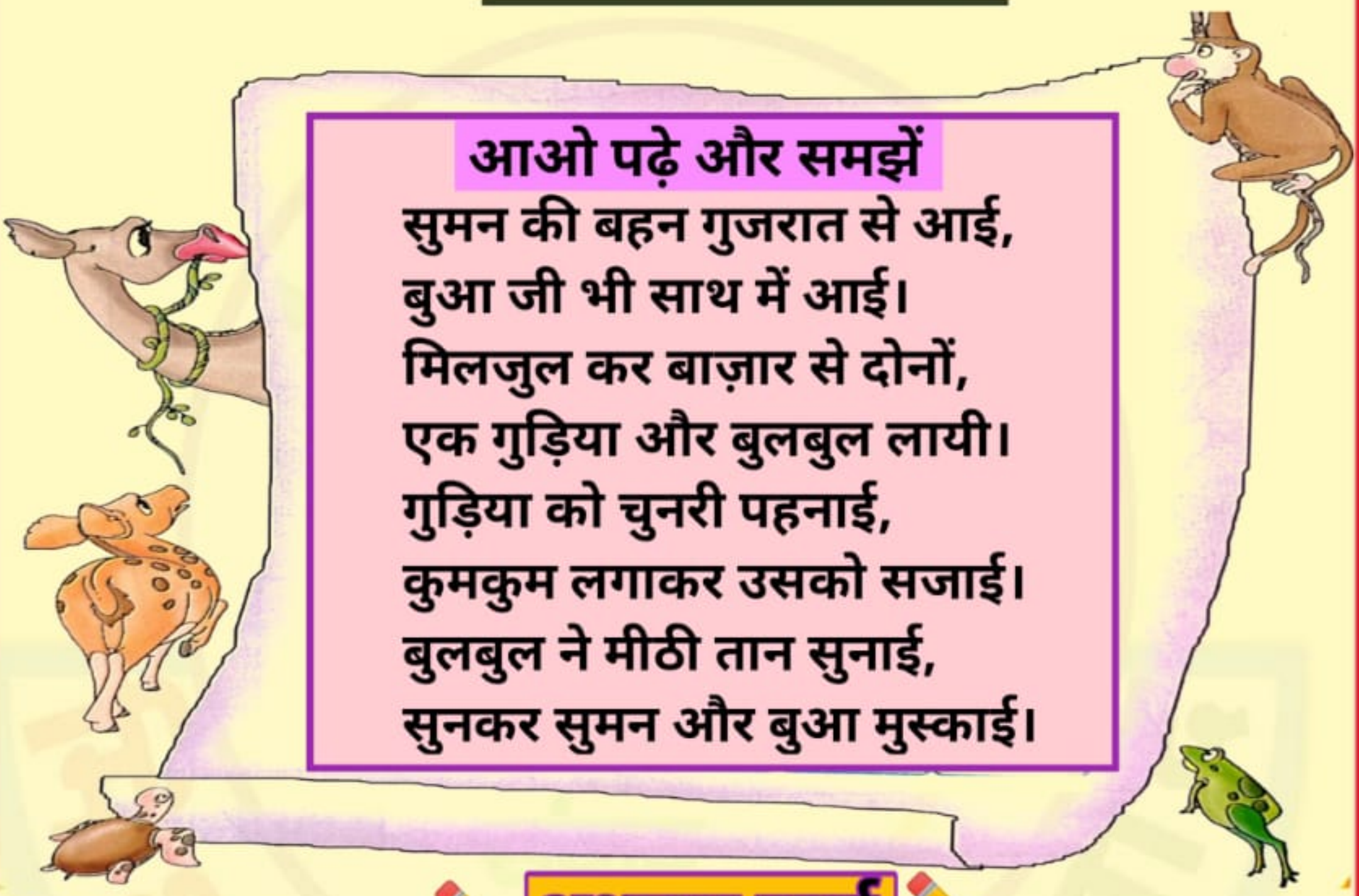

आओ पढ़े और समझें

सुमन की बहन गुजरात से आई,
बुआ जी भी साथ में आई।
मिलजुल कर बाज़ार से दोनों,
एक गुड़िया और बुलबुल लायी।
गुड़िया को चुनरी पहनाई,
कुमकुम लगाकर उसको सजाई।
बुलबुल ने मीठी तान सुनाई,
सुनकर सुमन और बुआ मुस्काई।

अभ्यास कार्य

ऊपर दी गई कविता को पढ़िए और उ " ु " की मात्रा वाले सात शब्द गोले में लिखिए।

फुटबॉल का चित्र बनाइये और रंग भरिए।

चित्र को पहचानकर सही शब्द से मिलान कीजिए।

झुनझुना

कुर्सी

कछुआ

बगुला

फुटबॉल

उपहार

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2

प्रकरण - "ऊ" की मात्रा का ज्ञान दिवस - 12

ऊ"(ू)"

तरबूज

सूरज

चूहा

खरबूजा

आलू

मयूर

भालू

जूता

कबूतर

अभ्यास कार्य

अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए।

लूआ

सूजर

खरजू

मूयर

तबूरज

अरूमद

बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसका नाम लिखिए।

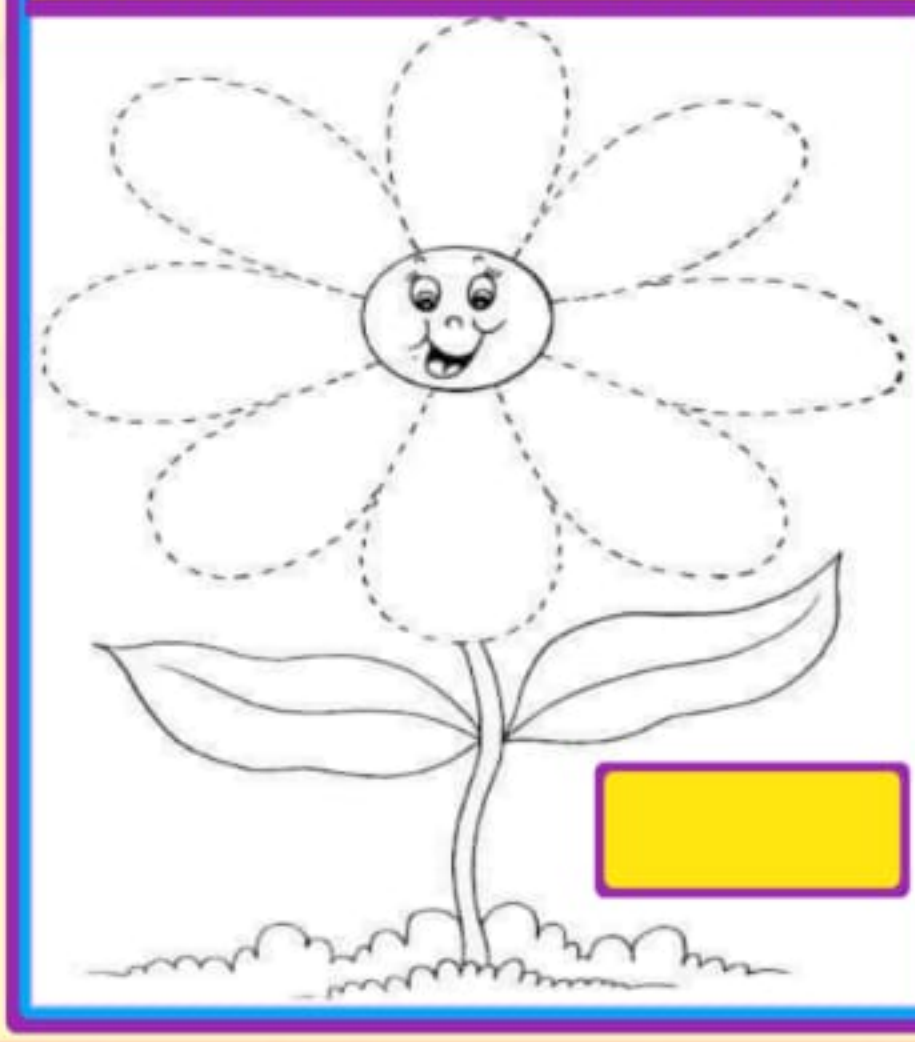

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 2 प्रकरण - ऊ "ू" की मात्रा का अभ्यास दिवस - 13

- क+ ू = कू
- ख+ ू = खू
- ग + ू = गू
- घ + ू = घू
- च + ू = चू
- छ + ू = छू
- ज+ ू = जू
- झ+ ू = झू
- ट + ू = टू
- त + ू = तू
- थ + ू = थू
- द + ू = दू
- ध + ू = धू
- न + ू = नू
- प + ू = पू

आओ पढ़ें और समझें।

ऊ "ू"

- द+ ू + ब = दूब
- ध+ ू + प = धूप
- द+ ू + ध = दूध
- झ+ ू +ला = झूला
- प+ ू + जा= पूजा
- ख+ज+ ू +र= खजूर
- त+र+ब+ ू +ज= तरबूज

अभ्यास कार्य

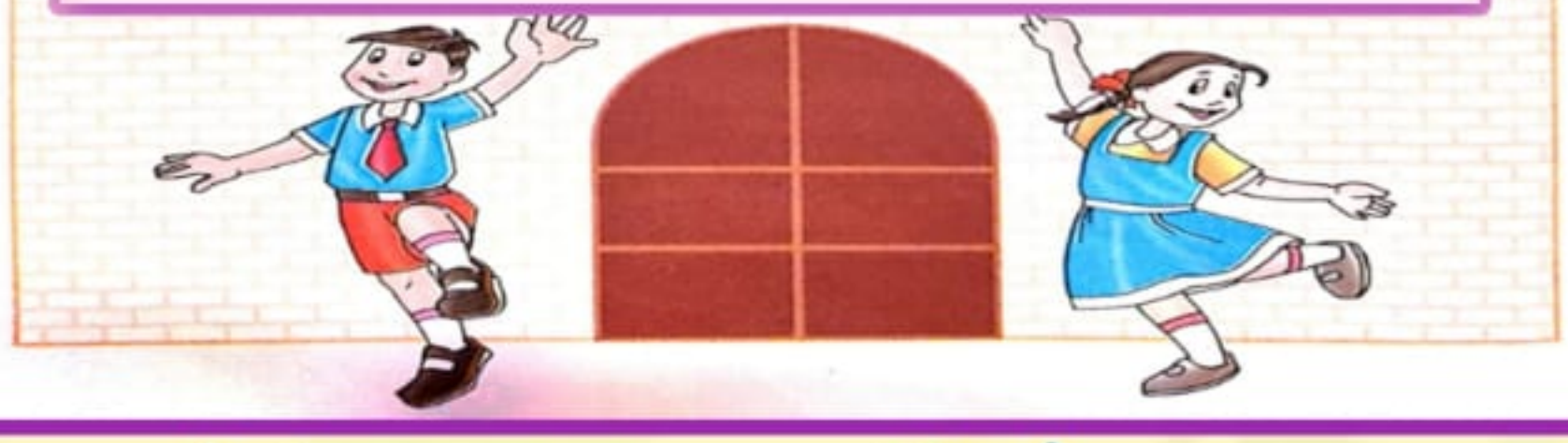

प्र०=1) शब्द बनाइए।

1) का+ज+ ू =
2) प+ ू+र+ब =
3) क+प+ ू+र =
4) ना+ख+ ू+न =
5) त+ ू+फा+न =
6) क+ब+ ू+त+र =

प्र०=2) चित्र पहचानकर शब्द पूरा कीजिए।

__ ल

तरा __

म __ र

__ ला

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - ए " े " की मात्रा का ज्ञान दिवस - 14

ए " े "

आओ पढ़ें और समझें।

सेब

केला

पेड़

बेलन

खेल

शेर

तेल तारे जेवर अपने
बेल ताले चेतन पहेली
जेल मेला देवर सहेली
ढेर रेखा देवता सफेद
बेर आगे कपड़े हमेशा

अभ्यास कार्य

सुलेख

बेला	जलेबी	हथेली
____	_____	_____
____	_____	_____
____	_____	_____
____	_____	_____

मेढक का चित्र पूरा कर रंग भरिए।

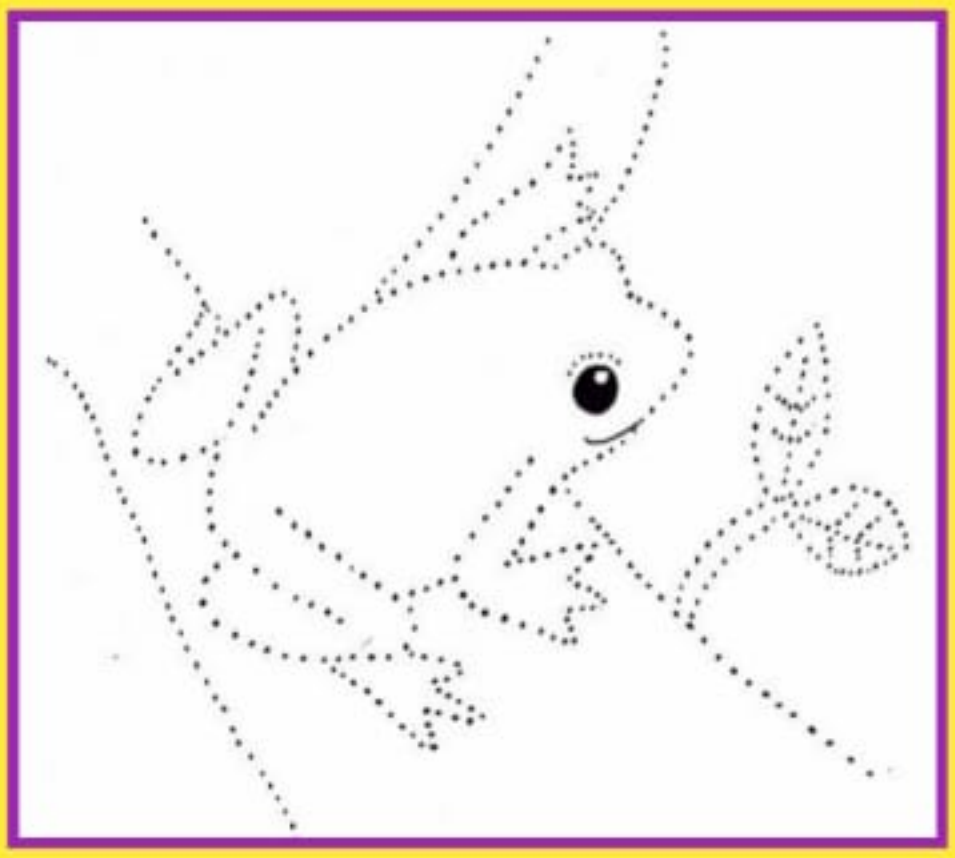

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2

प्रकरण - ए " े " की मात्रा का अभ्यास दिवस - 15

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर सही शब्द पर गोला लगाइए।

बलेन (बेलन) बलने

शेर सेर शरे

कला काले केला

जबेली जलेबी जेलबी

पेड़ पड़ पड़े

शब्द बनाइए।

1) ब+ े +ल = _____

2) म+ े +ला = _____

3) ज+ े +व+र = _____

4) स+प+ े +रा = _____

5) अ+क+ े +ला = _____

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - ऐ " ै " की मात्रा का ज्ञान दिवस - 16

अभ्यास कार्य

वर्ग पहेली से नए शब्द खोज़ कर लिखिए।

मै	दा	पै	द	ल	क	ख
ना	ग	गा	ध	च	बै	ल
छ	मै	म	पै	ना	ठ	ज
थै	ला	सै	दा	ट	क	ठ
ड	दै	नि	क	तै	या	र
तै	रा	क	ख	सा	ग	घ

मैदा ___ ___

___ ___ ___

___ ___ ___

" ऐ "की मात्रा के कोई दो चित्र बनाइए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा -2 प्रकरण - ऐ " ै " की मात्रा का अभ्यास दिवस -17

क+ ै=कै
ख+ै=खै
ग+ ै=गै
घ+ै=घै
च+ै=चै
छ+ै=छै
ज+ै=जै

आओ पढ़ें और समझें।

प+ ै +र=पैर
ग+ ै +र=गैर
ब+ ै+ल=बैल
ब+ ै+ठा=बैठा
ग+ ै+स=गैस
थ+ ै+ला=थैला
प+ ै+सा=पैसा
प+ ै+द+ल=पैदल
द+ ै+नि+क=दैनिक
ब+ ै+ठ+क =बैठक

ऐ " ै "

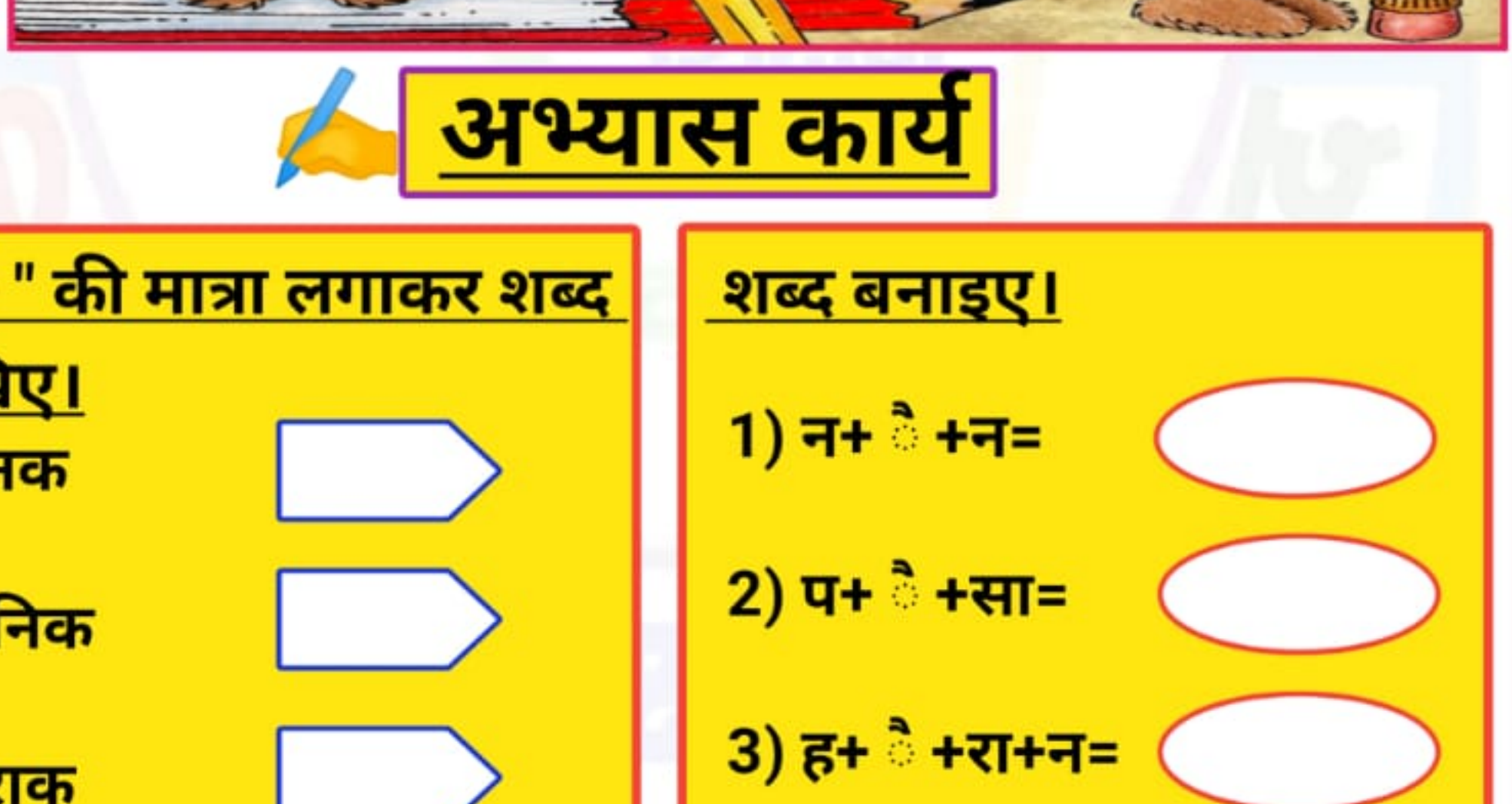

अभ्यास कार्य

ऐ " ै " की मात्रा लगाकर शब्द लिखिए।

1) एनक
2) सनिक
3) तराक
4) कमरा
5) खपरल

शब्द बनाइए।

1) न+ ै +न=
2) प+ ै +सा=
3) ह+ ै +रा+न=
4) त+ ै +र+ना=
5) म+ ै +दा+न=

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - ओ " ो " की मात्रा का ज्ञान दिवस -18

आओ पढ़ें और समझें।

गोल	सोच	मोती
झोला	डोली	रोली
थोड़ा	रोना	गोटा
गोभी	चोर	रसोई
रोटी	लोमड़ी	टोकरी
लोटा	कटोरी	होटल
खोट	सलोनी	
जोकर	मोटापा	

लोमड़ी

भोजन

अभ्यास कार्य

अक्षरों को सही क्रम में लगाकर शुद्ध शब्द लिखिए।

1) टीरो _____

2) टको _____

3) ड़ाघो _____

4) लढोक _____

5) तबोल _____

बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करिए और उनके नाम भी लिखिए।

1)_____ 2) _____

" ओ " की मात्रा के पाँच शब्द लिखिए।

1- 3- 5-

2- 4-

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - ओ " ो " की मात्रा का अभ्यास दिवस -19

ओ(" ो ")

आओ पढ़ें और समझें।

म+ो+र =मोर

ब+ो+त+ल=बोतल

क+ो+ट=कोट

क+ो+य+ल =कोयल

श+ो+र =शोर

र+स+ो+ई=रसोई

म+ो+टा=मोटा

म+ो+ट+र=मोटर

ध+ो+ती=धोती

ध+ो+बी=धोबी

क+ो=को
ख+ो=खो

र+ो=रो
म+ो=मो

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर शब्द पूरा करिए।

___ता

खर___श

___लक

___ड़ा

___टर

___तल

सही अक्षर को मिलाकर शब्द बनाइये।

शो_र

हो___

ली

मो___

छो___

टा

डो___

चको___

र

कठो___

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - प्रकरण - औ " ◌ौ " की मात्रा का ज्ञान दिवस -20

क+◌ौ=कौ
ख+◌ौ=खौ
ग +◌ौ=गौ
घ +◌ौ=घौ
च +◌ौ=चौ
छ+◌ौ=छौ
ज+◌ौ=जौ
त +◌ौ=तौ
द +◌ौ=दौ
न +◌ौ=नौ
प +◌ौ=पौ
र +◌ौ= रौ
ल+◌ौ=लौ

आओ पढ़ें और सीखें।

क+◌ौ+आ=कौआ

प+◌ौ+धा=पौधा

न+◌ौ+का=नौका

ल+◌ौ+की=लौकी

च+◌ौ+रा+हा=चौराहा

त+◌ौ+लि+या
=तौलिया

अभ्यास कार्य

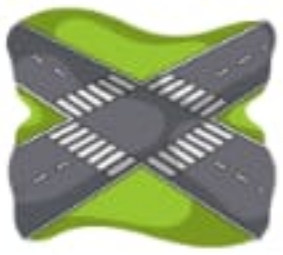

चित्र पहचानकर सही शब्दों से मिलान करिए।

औरत

औज़ार

दौड़

खिलौने

हथौड़ा

बौना

शब्द बनाइए।

1) म+◌ौ+सी= ____________
2) ब+◌ौ+ना= ____________
3) न+◌ौ+क+री= ____________
4) द+◌ौ+ल+त= ____________
5) म+◌ौ+स+म= ____________

रंग भरिए और शब्द पूरा करिए।

खि____ना

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - अं " ं " एवं अः " ः " की मात्रा का ज्ञान दिवस -21

क+ं=कं च+ं=चं
ग +ं=गं न+ं= नं

त+ः= तः य+ः= यः
न+ः= नः म+ः= मः

"अं" की मात्रा के शब्द

अंग	वंश	पतंग
अंत	रंग	तरंग
संत	हंस	बंदर
पंत	पंख	अंदर
कंस	खूंटी	सुंदर
तंबू	ढंग	लंदन
घंटी	जंग	मंदिर
मंत्री	चंचल	

"अः" की मात्रा के शब्द

छः	नमः	अतः
पुनः	स्वतः	अंततः
प्रायः	प्रातः	फलतः
दुःख	क्रमशः	निःसंदेह
निःस्वार्थ	निःशुल्क	निःसंतान

अं (ं) अः(ः)

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर सही शब्द पर गोला लगाइए।

1) अगूर (अंगूर) अंगर

2) झंडा झडा झंड

3) रग रगं रंग

4) सतरा सतंरा संतरा

5) अंडा अडा अंड

6) पंख पंका पंखा

सही जगह अः(ः) की मात्रा लगाकर शब्द पूरा करिए।

1) नम ☐ 4) फलत ☐

2) अत ☐ 5) क्रमश ☐

3) प्रात ☐

चित्र में रंग भरकर उसका नाम लिखिए।

☐

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 2 **प्रकरण - ऋ " ृ " की मात्रा एवं "र" के विभिन्न रूप और उनसे बने शब्दों का अभ्यास** **दिवस -22**

क+ ृ=कृ
ग + ृ=गृ
घ+ ृ= घृ
त+ ृ= तृ
द+ ृ= दृ
न+ ृ= नृ
प+ ृ= पृ
ब+ ृ= बृ
भ+ ृ=भृ
म+ ृ= मृ
व+ ृ= वृ
स+ ृ=सृ
ह+ ृ= हृ

ऋ " ृ " की मात्रा(आओ पढ़ें और समझें)

कृपा	कृषि	कृपया	गृह
गृहस्थ	गृहमंत्री	घृत	घृणा
घृणित	तृप्ति	तृतीय	तृष्णा
दृढ़	दृष्टि	दृश्य	नृप
नृत्य	नृशंस	पृष्ठ	पृथ्वी
पृथक	बृज	बृहस्पतिवार	
भृगु	भृकुटि	मृत	मृत्यु
मृदा	वृक्ष	वृद्धि	वृद्ध
सृष्टि	सृजन	हृदय	

आओ पढ़ें और समझें (' र ' के विभिन्न रूप)

रेफ वाला 'र' (र्-क)

क--अर्क,तर्क
ज --कर्ज,दर्जन
ण--पूर्ण,चूर्ण
द--दर्द,सर्द
फ--बर्फ,सिर्फ
प--दर्पण,अर्पण
म--गर्म,कर्म,धर्म
व--गर्व,पर्व,पर्वत
ष--वर्ष,वर्षा
स--नर्स,पर्स

पदेन वाला 'र'

ग्रह	चक्र
उम्र	भ्रम
क्रय	सब्र
क्रम	व्रत
प्रेम	प्राण
ग्राम	शुक्र
ग्रहण	प्रकाश
ट्रक	ड्रम
ट्रेन	ट्रॉली
ड्रेस	राष्ट्र
मेट्रो	ड्राइवर
ट्रैक्टर	ड्रामा

अभ्यास कार्य

चित्र पहचानकर सही शब्द से मिलान करिए।

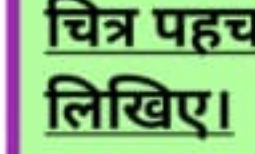

नृप

कृषक

गृह

मृग

वृक्ष

चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर।

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - मात्राओं का अभ्यास (आकलन प्रश्नपत्र) दिवस -23

समय- 1 घण्टा पूर्णांक - 30

आवश्यक निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1) चित्र पहचानकर खाली जगह भरिए। (8×1=8)

1- बादल देखकर ____ नाचने लगा।

2- चटनी लगाकर ____ खा।

3- ____ गाजर खा कर चला गया।

4- ____ का रंग पीला है।

5- ____ गीता को दे दो।

6- ____ ले जाओ।

7- ____ से पानी भर।

8- ____ से मत डर।

प्रश्न 2) शब्द जोड़कर लिखिए। (6×1=6)

1) ख+ा+न+ा =

2) म+छ+ल+ी =

3) ख+ज+ू +र =

4) प+ै +सा =

5) म+ ो+ट+र =

6) प+त+ं+ग =

प्रश्न 3) सही जगह मात्रा लगाकर शब्द पूरा करिए। (5×1=5)

1) कपर =

2) साबन =

3) छतर =

4) हथी =

5) अगूर =

प्रश्न 4) चित्र पहचानकर मिलान कीजिए। (6×1=6)

सेब		तरबूज
मिर्च		जोकर
तितली		साँप

प्रश्न 5) सही शब्द पर गोला लगाइए। (5×1=5)

चड़िया

नदी पन

गुलाब

केल तोता

अनर

सूरज माला

निर्माणकर्ता -मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर।

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस -24

मेरा नाम ममता है। मैं और मेरा भाई मगन रोज सवेरे उठकर दातून करते हैं। फिर नहाकर नाश्ता करते हैं। नाश्ता करने के बाद हम तैयार होते हैं और स्कूल जाते हैं।

जिस दिन माँ को स्वास्थ्य केंद्र में अधिक काम रहता है उस दिन खाना बाबू जी बनाते हैं। मैं रोज दोपहर में दाल, चावल, हरी सब्जी और रोटी खाती हूँ। हम बगिया से टमाटर, मूली और गाजर भी ले आते हैं, जिन्हें हम धोकर खाते हैं। मगन को लौकी की सब्जी बहुत अच्छी लगती है।

बाबू जी खेत पर काम करते हैं। शाम को खेत से लौटकर बाबू जी बैलों को खूँटे से बाँधते हैं और उनको चारा खिलाते हैं। माँ गाय का दूध दुहती है।

बिजली जाने पर मगन लैंप जला देता है। घर में उजाला हो जाता है। मगन और मैं साथ बैठकर पढ़ते हैं। रात को भोजन के बाद दादी जी हमें कहानी सुनाती हैं। कहानी सुनते-सुनते हम सो जाते हैं।

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न 1) ममता रोज दोपहर में क्या खाती थी ?

प्रश्न 2) मगन को कौन सी सब्जी बहुत अच्छी लगती है ?

प्रश्न 3) कहानी सुनने के बाद ममता और मगन क्या करते हैं ?

प्रश्न 4) गद्यांश के आधार पर सही (√) / गलत (×) का निशान लगाइए ।

(क) ममता गाय का दूध दुहती है ।

(ख) बाबू जी खेत पर काम करते हैं ।

(ग) बिजली जाने पर मगन लैंप जलाता है ।

(घ) ममता दोपहर में खिचड़ी खाती है ।

(ङ) दादी ममता और मगन को कहानी सुनाती हैं ।

प्रश्न 5) गद्यांश में आए " ई " की मात्रा के छः शब्द खोज कर लिखिए ।

नोट- इस अनुच्छेद में लगभग 100 शब्द हैं। छात्र इसे बिना रुके पढ़ें व शिक्षक/ शिक्षिका इस बात का अवलोकन करें कि बिना रुके हुए पढ़ने में वह कितना समय ले रहा है। आदर्श समय 20 शब्द प्रति मिनट है।साथ ही अनुच्छेद के कुछ अंश का श्रुतलेख भी प्रतिदिन करवाएँ।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर।

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस -25

श्यामा शिवपुर का मेला देखने जा रही है। गाड़ी में बहुत से लोग बैठे थे। श्यामा, उसकी माँ और पिता जी भी बैठ गए। गाड़ी चल पड़ी।तभी एक हवाई जहाज शूँ...S की आवाज करता हुआ निकला। बच्चे खुशी से चिल्ला उठे - हवाई जहाज, हवाई जहाज !

कुछ ही देर में मेला पास आ गया। श्यामा के बाबा बच्चों को समझाने लगे - मेले में सब एक दूसरे की अँगुली पकड़े रहना, नहीं तो खो जाओगे।

मेले में तरह-तरह की दुकानें थीं। खिलौनों की दुकानें देखकर बच्चे रुक गए। मीनू की माँ बोलीं - पहले मेला घूमो, फिर खिलौने खरीदेंगे। सब लोग मिठाई की दुकान पर गए। वहाँ उन्होंने जलेबी और बर्फी खाई।

मेले में सर्कस लगा था। बच्चों ने सर्कस देखा, फिर वे झूला झूले। एक ओर जादूगर जादू दिखा रहा था। श्यामा ने चाभी वाला जहाज खरीदा।

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न 1) श्यामा कहाँ जा रही है ?

प्रश्न 2) क्या देखकर बच्चे रुक गए ?

प्रश 3) बच्चों ने क्या खाया ?

प्रश 4) खाली जगह भरो।

क- बच्चे _____ देखकर खुशी से चिल्ला उठे ।

ख- मेले में _____ लगा था ।

ग- _____ ने सर्कस देखने के बाद झूला झूला।

घ- श्यामा ने _____ खरीदा ।

प्रश्न 5) नीचे दिए गए शब्दों जैसी आवाज वाले शब्द लिखो।

(क) गाड़ी (ख) मेला

(ग) पास (घ) जादूगर

नोट- इस अनुच्छेद में लगभग 100 शब्द हैं। छात्र इसे बिना रुके पढ़ें व शिक्षक/शिक्षिका इस बात का अवलोकन करें कि बिना रुके हुए पढ़ने में वह कितना समय ले रहा है।आदर्श समय 20 शब्द प्रति मिनट है।साथ ही अनुच्छेद के कुछ अंश का श्रुतलेख भी प्रतिदिन करवाएँ।

निर्माणकर्ता मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस - 26

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

गर्मियों की रात थी। साबिर और सना अपने अम्मी और अब्बू के साथ छत पर बैठे थे। तभी साबिर ने गोल-गोल थाली जैसा चाँद देखा। उसने सना से कहा, " देखो दीदी , चाँद कैसे चमक रहा है ! वहाँ कौन रहता होगा ?"

सना बोली, "अभी तक चाँद पर जीने के लिए जरूरी हवा, पानी, भोजन आदि नही मिल पाए हैं। इसलिए वहां कोई नहीं रहता।"

अम्मी बोलीं, "चाँद हमारी धरती के चारों और चक्कर लगाता है। धरती से कुछ लोग रॉकेट में बैठकर चाँद पर गए। वहाँ पहुँच कर वे खुशी से कूदे तो बहुत ऊँचे उछल गए। चाँद पर बड़ी-बड़ी चट्टानें और गड्ढे हैं। वे लोग वहाँ से मिट्टी और चट्टानों के नमूने धरती पर लेकर आए।"

अब्बू ने बताया, "चाँद को सूरज से प्रकाश मिलता है। हमारी धरती को भी सूरज से प्रकाश मिलता है।"

चंद्रबिंदु (ँ) की मात्रा [दा+ँ+त= दाँत]

मूँछ	पूँछ	मुँह	चाँद	गाँव	साँप	बाँस
यहाँ	वहाँ	आँख	पाँच	पाँव	पूँजी	आँसू

प्रश्न 1) चाँद कैसा था ?

प्रश्न 2) चाँद पर कोई क्यों नहीं रहता है ?

प्रश्न 3) साबिर की बहन का क्या नाम है?

प्रश्न 4) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा करिए ।

(क) साबिर ने _____ में चाँद देखा । (नदी/ आकाश)

(ख) चाँद _____ के चारों ओर चक्कर लगाता है । (सूरज / धरती)

(ग) धरती से कुछ लोग _____ में बैठकर चाँद पर गए थे । (हवाई जहाज/ रॉकेट)

(घ) चाँद को _____ से प्रकाश मिलता है । (धरती / सूरज)

प्रश्न 5) सूरज का चित्र बनाकर रंग भरिए ।

प्रेरणा लक्ष्य- छात्र अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं ।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस - 27

यह जगतपुर गाँव है। गाँव में जगह-जगह कीचड़ और गंदगी थी। स्कूल जाने का रास्ता भी कीचड़ से भरा था।

एक दिन बच्चे मैदान में इकट्ठा हुए। उन्होंने सोचा, यह गंदगी दूर हो जाए तो कितना अच्छा हो। सबने मिलकर योजना बनाई। दूसरे दिन प्रातः काल बच्चों ने गाँव में प्रभात फेरी निकाली। उनके हाथों में तख्तियाँ और कुदालें थीं। उन्होंने नारे लगाए -

हमारा गाँव कैसा हो ।
साफ-सुथरा सुंदर हो ।
हरा-भरा विद्यालय हो ।
घर-घर में शौचालय हो ।।
नालियों को साफ रखो ।
रास्तों को साफ रखो ।।

इसके बाद बच्चे स्कूल के रास्ते पर पहुँचे।उन्होंने फावड़ों से कीचड़ हटाना शुरू किया। छोटी-छोटी कुदालों से नाली बना दी। तब तक ग्राम प्रधान और गाँव के बहुत से लोग आ गए। बच्चों का काम देखकर वे भी सफाई में लग गए।

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 1) जगतपुर गाँव कैसा है ?
प्रश्न 2) बच्चे कहाँ इकट्ठा हुए ?
प्रश्न 3) बच्चों ने क्या योजना बनाई ?
प्रश्न 4) बच्चों का काम देखकर ग्राम प्रधान और गाँववालों ने क्या किया ?
प्रश्न 5) खाली जगह भरिए-
हमारा _____ कैसा हो ।
साफ सुथरा _____ हो ।
_____ विद्यालय हो ।
घर-घर में _____हो ।।

मनपसंद रंगों से घर को सजाइए।

प्रेरणा लक्ष्य- छात्र अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं ।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस - 28

बरसात का दिन था । चारों ओर पानी बरस रहा था । दादी माँ का घर भीग रहा था । जल्दी ही छप्पर से पानी टपकने लगा । दादी माँ परेशान हो उठीं। परंतु करतीं भी क्या ? छप्पर पुराना था । थोड़ी देर में ओले भी पड़ने लगे । बेर बराबर ओले ! उधर एक बाघ ओलों की मार से परेशान हो उठा। कूदते-फाँदते वह दादी माँ के घर के पास पहुँचा । दादी माँ अंदर भात बना रहीं थीं । चूल्हे पर पानी टपक रहा था टप-टप, टप-टप ।

वह झुँझला उठीं और बोलीं- "मुझे टपका से जितना डर लगता है उतना तो बाघ से भी नहीं ।"

बाघ ने सोचा- यह मुझसे तो नहीं डरतीं, मगर टपका से डरती हैं । टपका जरूर मुझसे भी कोई बड़ा जानवर होगा! बस, यह सोचते ही बाघ घबराया और सिर पर पैर रख कर भागा ।

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न 1) दादी माँ क्यों परेशान थीं ?

प्रश्न 2) छप्पर कैसा था ?

प्रश्न 3) ओले कितने बड़े थे ?

प्रश्न 4) दादी माँ क्या कर रहीं थीं ?

(क) पढ़ रहीं थीं

(ख) खाना बना रहीं थीं

(ग) सो रहीं थीं

(घ) गा रहीं थीं

प्रश्न 5) खाली जगह भरिए ।

(क) _____ का दिन था ।

(ख) एक _____ ओलों की मार से परेशान हो उठा ।

(ग) चूल्हे पर _____ टपक रहा था ।

(घ) बाघ _____ पर पैर रख कर भागा ।

नोट- शिक्षक/ शिक्षिका इस बात का अवलोकन करें कि छात्र बिना रुके हुए पढ़ने में कितना समय ले रहा है। आदर्श समय 20 शब्द प्रति मिनट है।साथ ही अनुच्छेद के कुछ अंश का श्रुतलेख भी प्रतिदिन करवाएँ।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

कक्षा - 2 प्रकरण - गद्यांश / अनुच्छेद दिवस -29

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

जाड़े के दिन थे । आसमान में एक परी उड़ रही थी । उड़ते-उड़ते उसने नीचे देखा । पृथ्वी पर रंग-बिरंगे फूल खिले थे । परी फूलों के बीच आ गई । वहाँ उसे तितली मिली । एक मधुमक्खी छत्ता बना रही थी । परी ने उससे कहा, "मधुमक्खी, आओ खेलें ।"

मधुमक्खी बोली, "अभी मैं छत्ता बना रही हूँ ।"

परी बोली, "पहले खेलो, फिर छत्ता बना लेना।"

मधुमक्खी बोली, "नहीं, नहीं । जाड़े के दिन हैं । बर्फ पड़ने वाली है, उससे पहले मुझे अपना छत्ता बनाना है ।"

परी हँसी और बोली, "अगर मैं तुम्हारा छत्ता जल्दी बनवा दूँ तो फिर मेरे साथ खेलोगी ?"

"हाँ," मधुमक्खी बोली ।

प्रश्न 1) आसमान में कौन उड़ रहा था ?

प्रश्न 2) पृथ्वी पर कैसे फूल खिले थे ?

प्रश्न 3) मधुमक्खी क्या कर रही थी ?

प्रश्न 4) परी को फूलों के बीच कौन मिला ?

प्रश्न 5) "ए (े)" की मात्रा के कोई चार शब्द दिए गए गद्यांश से खोजकर लिखो ।

प्रश्न 5) गद्यांश के आधार पर बताइये कि निम्नलिखित वाक्य किसने कहा ?

(क) "मधुमक्खी, आओ खेलें ।"

(ख) "अभी मैं छत्ता बना रही हूँ।"

(ग) "पहले खेलो, फिर छत्ता बना लेना ।"

(घ) "नहीं, नहीं । जाड़े के दिन है। बर्फ पड़ने वाली है, उससे पहले मुझे अपना छत्ता बनाना है ।"

नोट-शिक्षक/ शिक्षिका इस बात का अवलोकन करें कि बिना रुके हुए पढ़ने में छात्र कितना समय ले रहा है।आदर्श समय 20 शब्द प्रति मिनट है।साथ ही अनुच्छेद के कुछ अंश का श्रुतलेख भी प्रतिदिन करवाएँ।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - भाषा

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 2 **प्रकरण - आकलन प्रश्नपत्र** **दिवस -30**

प्रेरणा लक्ष्य-छात्र/छात्रा अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

नीचे दिए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

एक दिन जब सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे। तभी उनके पैरों के पास एक हंस आ गिरा। उसे तीर लगा हुआ था। सिद्धार्थ ने हंस को उठाया और धीरे से तीर निकालकर उसके घाव को साफ किया। तभी सिद्धार्थ का भाई देवदत्त दौड़ा आया। उसने कहा "ये हंस मेरा है, इसे मैंने तीर मारा है। इसे मुझे दे दो।

सिद्धार्थ ने हंस देवदत्त को नहीं दिया और बोले- "नहीं, यह मेरा हंस है। इसे मैंने बचाया है।"

यह झगड़ा राजा के दरबार में पहुँचा। राजा ने सिद्धार्थ से पूछा- "राजकुमार तुम्हें इस हंस को अपने पास रखने का क्या अधिकार है ?" सिद्धार्थ ने कहा- "इस हंस की जान मैंने बचाई है। आप ही बताएँ हंस किसे मिलना चाहिए- जिसने इसे तीर मारा या जिसने इसकी जान बचाई?"

राजा बोले - "सिद्धार्थ तुम ठीक कह रहे हो। मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक होता है। इसलिए हंस राजकुमार सिद्धार्थ को ही मिलेगा।"

नोट- अनुच्छेद में लगभग 120 शब्द हैं। शिक्षक/शिक्षिका ऊपर दिए अनुच्छेद को कक्षा के प्रत्येक छात्र/छात्रा से पढ़वाएं। यदि छात्र /छात्रा एक मिनट में 20 शब्द या लगभग छः मिनट में पूरा अनुच्छेद पढ़ लेता है, तो ये समझ लेना चाहिए कि उस छात्र/छात्रा ने प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

निर्माणकर्ता - मोनिका निगम (प्र.प्र.अ.), उ.प्रा.वि.शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर